>

Title:

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): महोदय, आपकी इजाजत से मैं गवर्नमैन्ट ऑफ इंडिया से कहना चाहता हूं, मेरी आपके माध्यम से सरकार से विनती है कि कल यहां जो सीन हुआ। मेरे देश में दोबारा टुकड़े करने की बात की गई। जो मुझे आज तक दुख दे रही है। एक ऑनरेबल मैम्बर ऑफ पार्लियामैन्ट कहता है कि जम्मू-कश्मीर को सदरे रियासत और प्राइम मिनिस्टर ऑफ जम्मू कश्मीर बना दो। How dare he to say this? मैं जानना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर किसी के बाप खाते का नहीं है। We are also part and parcel of Jammu and Kashmir. मैं जम्मू-कश्मीर का मैम्बर ऑफ पार्लियामैन्ट हूं और जम्मू-कश्मीर हिंदुस्तान का ताज है। कोई इसको चेंज नहीं कर सकता। मैं यह कहना चाहता हूं कि आज जम्मू-कश्मीर के लोग पीस में हैं, शांति में हैं और अच्छी जिंदगी बसर कर रहे हैं और ये दोबारा उस तरीके की साजिश करना चाहते हैं। मैं कहना चाहूंगा कि ऐसे एलायंस पार्टनर का सख्ती से नोटिस लेने की जरूरत है। उन्होंने कैसे डेयर किया। वहां जिन्होंने सैक्रिफाइस दिया, 525 एसपीओज. मारे गये, स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स मरे, उन्हें इन्होंने भर्ती नहीं किया। यह सब साजिश है। उनको भर्ती नहीं किया गया और दाएं-बाएं भर्तीयां चलती रही हैं। पंजाब में एसपीओ भर्ती हुए लेकिन जम्मू कश्मीर में क्यों नहीं हुए? सर, मैं कहना चाहता हूँ कि मुझे अफसोस है कि इन्होंने कहा कि â€¦* नॉन-कंट्रोवर्शियल था। नहीं, अगर वह नॉन-कंट्रोवर्शियल था तो उसे 22 साल जेल में क्यों रखा गया? ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Delete the name.

चौधरी लाल सिंह : जब वह ठीक हुआ, उसके बाद वह चीफ मिनिस्टर बना। जम्मू कश्मीर एक हुआ और जम्मू कश्मीर को दो नहीं होने देना, न किसी को अटॉनमि ...(व्यवधान)

SHRI HARIN PATHAK (AHMEDABAD EAST): Sir, I associate with the matter raised by him.

MR. CHAIRMAN: You send a slip.

SHRI HARIN PATHAK: All right, Sir.

MR. CHAIRMAN: Shri Ravindra Kumar Pandey, Shri Harin Pathak, Shri Devji M. Patel, Shri Arjun Ram Meghwal, Shrimati Jayshreeben Patel, Shri Naranbhai Kachhadia, Shri Jitendra Singh, Shri Ashok Argal and Prof. Ramshankar are associating with the matter raised by Chaudhary Lal Singh.